**भारत सरकार**

**वस्‍त्र मंत्रालय**

**राज्‍य सभा**

**अतारांकित प्रश्‍न संख्‍या 1116**

**19 दिसम्‍बर, 2018 को उत्‍तर दिए जाने के लिए**

**देश में कपास की गुणवत्ता**

**1116. डा॰ अशोक बाजपेयीः**

**क्या वस्त्र मंत्री यह बताने की कृपा करेंगे किः**

(क) क्या देश में कपास की कम पैदावार और घटिया गुणवत्ता के कारण प्रतिवर्ष काफी मात्रा में कपास का आयात किया जाता है;

(ख) यदि हां, तो गत दो वर्ष के दौरान आयातित कपास का देश-वार ब्यौरा क्या है; और

(ग) क्या सरकार द्वारा कपास की पैदावार बढ़ाने और अंतर्राष्ट्रीय मानदंडों के अनुरूप इसकी गुणवत्ता में सुधार करने हेतु कोई प्रयास किए जा रहे हैं?

**उत्‍तर**

**वस्‍त्र राज्‍य मंत्री**

**(श्री अजय टम्‍टा)**

**(क):** जी, नहीं। भारत बड़ी मात्रा में कपास का आयात नहीं करता है। तथापि, भारत में कुछ घरेलू कताई मिलें अपनी विशेष जरूरतों को पूरा करने के लिए कपास की एक्‍स्‍ट्रा लॉंग स्‍टेपल (ईएलएस)/शॉर्ट स्‍टेपल किस्‍म का आयात कर रही है क्‍योंकि भारत में इन किस्‍मों का उत्‍पादन कम होता है। वर्ष 2016-17 और 2017-18 के दौरान 364.57 लाख गांठ और 382.44 लाख गांठ की खपत की तुलना में क्रमश: 30.93 लाख गांठ और 15.79 लाख गांठ का आयात किया गया जो कुल खपत का 8.33% और 4.12% है।

**(ख):** विगत 2 वर्षों के दौरान भारत में कपास का देश-वार आयात दर्शाने वाला विवरण अनुबंध में दिया गया है।

**(ग):** जी, हां। भारत सरकार देश में कपास की गुणवत्‍ता, उत्‍पादकता और उत्‍पादन में सुधार करने के लिए कपास पर प्रौद्योगिकी मिशन, हाई डेन्‍सिटी प्‍लांटिंग सिस्‍टम, उपकरण आधारित गुणवत्‍ता मूल्‍यांकन आदि जैसे कई उपायों को निरंतर बढ़ावा देती रही है। अनुसंधान पर किए गए अधिक प्रयासों से गिनिंग और प्रेसिंग के बुनियादी फाइबर पैरामीटरों और गुणवत्‍ता में अत्‍यधिक सुधार हुए हैं और भारत विश्‍व में कपास का सबसे बड़ा उत्‍पादक और कपास का दूसरा सबसे बड़ा उपभोक्‍ता और निर्यातक बन गया है।

वस्‍त्र मंत्रालय के नियंत्रणाधीन भारतीय कपास निगम (सीसीआई) कारपोरेट सोशियल रिसपोंसबिलिटी (सीएसआर) के तहत कपास किसानों को आधुनिक कृषि तकनीकों को अपनाने और कपास चुनने की हस्‍तचालित मशीनों के माध्‍यम से फसल की कटाई करने के लिए प्रोत्‍साहित करता है। सीसीआई ने कपास किसानों को हस्‍तचालित 512 कपास चुनने की मशीनें वितरित की है जिससे उन्‍हें मजदूरों पर कम निर्भरता, उत्‍पादन की लागत में कमी के कारण कपास उत्‍पादों का अधिक लाभ हुआ और कृषि स्‍तर पर ट्रेश और मिलावट कम करके कपास की गुणवत्‍ता में सुधार हुआ है।

भारत सरकार राष्‍ट्रीय खा़द्य सुरक्षा मिशन के तहत एफएलडी के माध्‍यम से देशी/ईएलएस कपास की खेती करने के लिए किसानों को जागरूक भी कर रही है।

\*\*\*\*

**अनुबंध**

***प्रत्‍येक 170 कि.ग्रा. की गांठ में मात्रा***

|  |  |  |
| --- | --- | --- |
| देश | 2016-17 | 2017-18 |
| यूएसए | 1418835 | 873809 |
| आस्‍ट्रेलिया | 528410 | 177801 |
| माली | 214733 | 40435 |
| बुरकिना फासो | 154080 | 10945 |
| इजिप्‍ट | 101917 | 153375 |
| कोट डी आइवरी | 86344 | 27565 |
| बेनिन | 83637 | 13188 |
| तंजानिया | 53728 | 40602 |
| अन्‍य देश | 452235 | 241883 |
| कुल | 3093919 | 1579603 |

स्रोत: वाणिज्‍यक आसूचना और सांख्यिकी महानिदेशालय (डीजीसीआईएस), कोलकाता।